

से दिनांक

को पेश हों।

10/10/19

पत्रावली पेश हुई। वादिमा श्रीगौरी कोशाल देवी स्वयं उपस्थित होकर न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र वाद को निरस्त करने का वाद पेश किया। जिसमें अंकित किया गया कि वादिमा और उपायों के बीच मध्यम मिल बैठकर राजीनामा कलिया गंगा है। अब मैं उस्तवाद को आगे नहीं चलाना चाहती हूँ। शीघ्र ही स्थिति में वादिमा द्वारा प्रार्थना पत्र निरस्त करवाने का वाद को स्वीकार किया जाता है।

इतः वादिमा के अधिवक्ता श्री राजकुमार शर्मा उदकेकर ने पहचान की एवं स्वयं वादिमा ने अपना सबूत के लोटपट अपना स्वयं का आधार कांड पेश किया। जिसको वादिमा के अधिवक्ता ने पहचान की वस्तुस्थिति करवाये गये। इतः वाद को खारिज किया जाता है।

पत्रावली फौजदारी मुद्दा होकर नम्बर से कम हो- तथा लौकर गठना है।



B  
 सहायक कलेक्टर  
 दौसा (जि. दौसा)

